सावन के सोमवार की
शुभकामनाएं

सच्चाई के दम पर
जोश के साथ...

www.swarajindianews.com
swarajindia2023@gmail.com
RNI No: UPHIN/2023/86769
swarajindianews
swarajindianews

मूल्यः ₹ 02

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

कानपुर, सोमवार, 14 जुलाई, 2025
वर्षः 02, अंकः 189, पृष्ठः 8+4

इनसाइड
शिवराजपुर थाने में कांवड़ियों का हंगामा, भिड़े श्रद्धालु... » Pg 08
सरकार को घेरने की रणनीति को देंगी अंतिम... » Pg 12

'मैं ओमप्रकाश राजभर को गोली मार दूंगा'

धमकी से सियासी गलियारों में मचा हड़कंप, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बलिया। उत्तर प्रदेश सरकार में पंचायती राज मंत्री को जान से मारने की धमकी मिली है। यह धमकी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर 'करणी सेना बलिया' नामक आईडी से दी गई। इस धमकी के बाद सियासी गलियारों में हलचल मच गई।

उत्तर प्रदेश की सियासत उस वक्त हिल गई जब राज्य सरकार के कैबिनेट मंत्री और सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी दी गई। फेसबुक पर 'करणी सेना बलिया' नाम की आईडी से एक पोस्ट किया गया, जिसमें खुलेआम लिखा गया ओपी राजभर को गोली मार दूंगा इस मामले को लेकर सुभासपा के राष्ट्रीय महासचिव और ओपी राजभर के बेटे अरुण राजभर ने ट्वीट कर गहरी चिंता जताई और कहा कि धमकी देने वाला व्यक्ति कमलेश सिंह नामक युवक है, जो करणी सेना का बलिया जिला अध्यक्ष बताया जा रहा है।

अरुण राजभर ने इस मामले में रसड़ा थाने में एफआईआर दर्ज कराने की जानकारी दी है। उन्होंने यह भी मांग की है कि धमकी देने वाले शख्स की तत्काल गिरफ्तारी हो और उनके पिता को जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की जाए। सुभासपा ने इस संबंध में देश के गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर सुरक्षा की मांग की है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले अरुण राजभर को भी जान से मारने की धमकी दी गई थी, जिसकी शिकायत हजरतगंज कोतवाली में दर्ज कराई गई थी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। इस धमकी से प्रदेश की सियासत में हलचल मच गई है और सुरक्षा एजेंसियां भी अलटज़् मोड पर हैं।

मोक्ष के शहर में लावारिस लाशों के मसीहा

» 63 हजार शवों का कराया अंतिम संस्कार
» 6 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च किए अब तक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

वाराणसी। अभी तक आपने गरीबों, दलितों, मजदूरों, अनाथों और बेसहारों के मसीहा के बारे में सुना होगा, लेकिन आज हम आपको ऐसे शख्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जो 'लाशों के मसीहा' हैं। धर्म नगरी काशी को मोक्ष का शहर कहते हैं। देश के कोने-कोने से लोग यहां मोक्ष प्राप्त करने के लिए आते हैं, लेकिन यहां कई लावारिस ऐसे होते हैं, जिन्हें अपनी अंतिम यात्रा भी ठीक तरीके से नसीब नहीं होती।

ऐसे में लावारिस शवों को मोक्ष प्रदान करने का काम कई सालों से काशी के नित्यानंद तिवारी कर रहे हैं। नित्यानंद तिवारी के 'शवों का मसीहा' बनने की कहानी बेहद भावुक करने वाली हैं।

रास्ते में रिक्शे पर बोरे में बंधा हुआ शव देख मन द्रवित हो गया पूछने पर पता चला कि लावारिस शव है उस वक्त पिता ने शव के अंतिम संस्कार की बात कही थी। उस दिन हरिश्चंद्र घाट पर पहली बार एक लावारिस शव का अंतिम संस्कार कराया था

मां की मौत पर लिया था संकल्पः बता दें कि नित्यानंद तिवारी पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट है, उनके दोनों बेटे भी चार्टर्ड अकाउंटेंट है, जो अपने पिता का हाथ बटाते हैं। अपनी आमदनी का एक हिस्सा लावारिस शवों की सेवा के लिए निकालते हैं। नित्यानंद अपने तीन लोगों की टीम के साथ काम करते हैं। उन्होंने अपनी मां मृत्यु के बाद लावारिस लाशों का अंतिम संस्कार करने का संकल्प लिया था। करीब 60 साल के सीए तिवारी का दावा है कि पिछले 12 सालों में अब तक 66000 से ज्यादा शवों का अंतिम संस्कार करा चुके हैं। इनमें से 63 हजार लावारिस हैं, जबकि 3 हजार ऐसे शव हैं, जिनके परिजनों के पास अंतिम संस्कार के लिए पैसे नहीं थे. वर्तमान में आम आदमी के साथ बनारस के हर थाने में उनका नंबर उपलब्ध होता है, जहां प्रशासन भी उनसे संपर्क कर लावारिस लाशों का अंतिम संस्कार कराती है।

पिताजी की इच्छा कर रहा हूं पूरीः नित्यानंद तिवारी ने बताया कि वह सिर्फ अपने पिताजी की इच्छा पूरी कर रहे हैं। क्योंकि उनके पिताजी का कहना था कि यदि मैं कुछ कर सकता हूं तो लावारिस लोगों को मोक्ष प्रदान करता रहूं। ऐसे में मैं सोचता हूं कि मेरे पिताजी अभी जीवित हैं और मैं उनका किसी बड़े अस्पताल में इलाज कर रहा हूं। जहां हर दिन इलाज में जो खर्च आता, उसी पैसे इन शवों के अंतिम संस्कार में दे देता हूं।

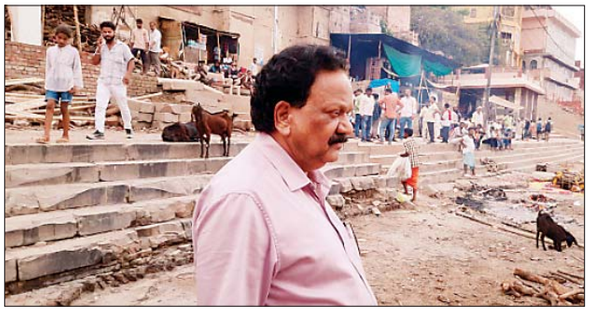

अफरातफरी — लंदन में भी अहमदाबाद जैसा विमान हादसा

उड़ान भरते ही फ्लाइट क्रैश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

नई दिल्ली। लंदन से नीदरलैंड जा रहा विमान हादसे का शिकार हो गया। विमान उड़ान भरते ही हवा में क्रैश हो गया। इसके बाद एयरपोर्ट पर अफरातफरी का माहौल कायम हो गया।

लंदन में अहमदाबाद जैसा विमान हादसा हुआ है। रविवार शाम 4 बजे (स्थानीय समयानुसार) लंदन के साउथएंड एयरपोर्ट पर एक बिजनेस जेट टेकऑफकरने के कुछ समय बाद ही क्रैश हो गया। लोगों ने कहा कि विमान क्रैश

होने के तुरंत बाद आग का गोला बन गया। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटरडार के मुताबिक यह विमान बीच बी 200 सुपर किंग एयर था। जो लंदन से नीदरलैंड के लिए रवाना हो रहा था। पुलिस ने कहा कि शाम 4 बजे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिली थी। पुलिस ने कहा कि हम घटनास्थल पर सभी आपातकालीन सेवाओं के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

आईजीआरएस की रैंकिंग गिरने पर डीएम सख्त, 44 अफसरों को नोटिस जारी

राहुल पाण्डेय, स्वराज इंडिया

कानपुर। जन शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने पर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने सख्त रुख अपनाया है। आईजीआरएस (समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली) की गिरती रैंकिंग को लेकर उन्होंने गहरी नाराजगी जाहिर की है। डीएम ने जनपद व तहसील स्तर के कुल 44 अधिकारियों और नोडल अफसरों को नोटिस जारी किए हैं।

डीएम ने अफसरों को फटकारते हुए कहा कि शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण में गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। नोडल अफसर विभागीय समीक्षा नहीं कर रहे, जिससे शिकायतकर्ताओं को संतोषजनक समाधान नहीं मिल रहा और वे नकारात्मक फीडबैक दे रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

इन विभागों को जारी किए गए नोटिस

जनपद स्तरीय अधिकारी

मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, सहायक श्रमायुक्त, केस्को के मुख्य अभियंता, रोडवेज, पुलिस, एडीएम भू-अभिलेख, बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, चकबंदी विभाग, परिवहन, सिंचाई, आवास विकास, ग्राम्य विकास, पंजीकरण विभाग, होमगार्ड्स आदि।

तहसील स्तरीय अधिकारी

एसडीएम व तहसीलदार (बिल्हौर, नर्वल, सदर, घाटमपुर), विकास व शिक्षा विभाग के अधिकारी, पीएचसी/सीएचसी प्रभारी, चकबंदी व स्टांप विभाग से जुड़े अफसर।

नोडल विभाग

नगर निगम, विकास प्राधिकरण, जल निगम, चिकित्सा स्वास्थ्य, बेसिक शिक्षा, श्रम व उद्योग विभाग आदि।

डीएम ने दो टूक कहा कि आईजीआरएस पर आई हर शिकायत का समय से समाधान और गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण अनिवार्य है। अब किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

स्वराज इंडिया की खबर का असर

कल्याणपुर में जिस्मफरोशी का धंधा बेनकाब

- **150 से अधिक युवतियां शामिल, नेपाल-रूस की भी कॉलगर्ल्स उपलब्ध**
- **ऑनलाइन बुकिंग, व्हाट्सएप ग्रुप और होटल साठगांठ से चलता था पूरा सिस्टम**
- **पुलिस को मिले अहम सुराग, जल्द हो सकता है बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश**

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। कल्याणपुर इलाके में पकड़े गए हाई-प्रोफाइल सेक्स रैकेट की परतें खुलनी शुरू हो गई हैं। पुलिस की जांच में सामने आया है कि इस रैकेट से करीब 150 से अधिक युवतियां जुड़ी थीं, जिनमें कई नाबालिग और विदेशी महिलाएं भी थीं। नेपाल और रूस से आई युवतियां सीधे संचालकों के संपर्क में थीं।

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com | कानपुर आसपास | कानपुर, मंगलवार 17 जून 2025 | 07

कल्याणपुर के होटलों में बिक रही अस्मत, अब पुलिस की जांच शुरू

- थाना अध्यक्ष बोले सभी चौकियों को निर्देश जारी, जांच के बाद होगी सख्त कार्रवाई
- देह व्यापार पर फोकस में आए होटल, पुलिस की कार्रवाई से दहशत में दलाल

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। दैनिक स्वराज इंडिया द्वारा उजागर किए गए कल्याणपुर क्षेत्र के ओयो होटलों में चल रहे संगठित देह व्यापार के गोरखधंधे की खबर पर आखिरकार प्रशासन की नींद टूटी है। जब यह मामला कल्याणपुर थाना अध्यक्ष के संज्ञान में लाया गया, तो उन्होंने इसे गंभीरता से लेते हुए त्वरित प्रतिक्रिया दी। उनका कहना है, थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली सभी पुलिस चौकियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे क्षेत्र में संचालित ओयो होटलों की गहन जांच करें।

यदि जांच में किसी भी होटल में अनैतिक गतिविधियाँ पाई जाती हैं तो न सिर्फ होटल संचालक, बल्कि इसमें संलिप्त कर्मचारियों, मैनेजर, दलाल और अन्य लोगों पर भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। थाना अध्यक्ष के इस बयान से संकेत मिलता है कि अब तक जिन मामलों को नजरअंदाज किया जा रहा था, उन्हें प्राथमिकता दी जा रही है। यह बयान पुलिस की गंभीरता को दर्शाता है, लेकिन यह भी देखना बाकी है कि क्या कार्रवाई ज़मीनी स्तर पर प्रभावशाली होगी या सिर्फ कागजों तक सीमित रहेगी।

होटलों में बढ़ी हलचल, दलालों में मचा हड़कंप

जैसे ही थाना अध्यक्ष की ओर से जांच के आदेश जारी हुए, कल्याणपुर क्षेत्र में संचालित कई ओयो होटलों में हलचल और बेचैनी देखी जा रही है। सूत्रों के अनुसार, कुछ होटलों में अचानक बुकिंग कैंसिल का सिलसिला शुरू हो गया है। कई युवतियां और महिलाएं जो रोज़ाना होटल में देखी जाती थीं, वे पिछले दो दिनों से नदारद हैं। होटल स्टाफ ने बुकिंग रजिस्टर, सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल चैट जैसी सूचनाएं भी हटानी शुरू कर दी हैं, ताकि जांच में कुछ भी हाथ न लगे।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पिछले कुछ महीनों में इन होटलों में रोज़ाना दर्जनों गाड़ियां आती-जाती थीं और कई बार संदिग्ध गतिविधियों को लेकर सवाल भी उठाए गए थे,

लेकिन पुलिस प्रशासन मौन रहा। अब जब पुलिस कार्रवाई की बात सामने आई है, तो लोगों में उम्मीद जगी है कि शायद इस बार कुछ ठोस कदम उठाए जाएंगे।

हालांकि, क्षेत्र में यह भी चर्चा है कि यदि जांच निष्पक्ष और गहराई से हुई, तो इस पूरे गोरखधंधे के पीछे खड़े कई रसूखदार लोगों के चेहरे भी उजागर हो सकते हैं। साथ ही पुलिस और प्रशासनिक तंत्र में बैठे कुछ लोगों की मिलीभगत की परतें भी खुल सकती हैं, जो अब तक इस अनैतिक कारोबार को संरक्षण देते रहे हैं।

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com | कानपुर सिटी | कानपुर, सोमवार 16 जून, 2025 | 04

'OYO की आड़ में देह व्यापार, कल्याणपुर बना रेड लाइट एरिया'

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। कभी कच्ची शराब और देह व्यापार के लिए बदनाम रही कानपुर कल्याणपुर की सीटीएस बस्ती का चेहरा भले बदल गया हो, लेकिन यह अनैतिक कारोबार पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। यह गतिविधियाँ शहर के कल्याणपुर क्षेत्र में संचालित ओयो होटलों के अंदर गहराई से जड़ें जमा चुकी हैं। जिस प्रकार दिल्ली का जीबी रोड, कोलकाता का सोनागाछी और मुंबई का कमाठीपुरा वैश्यावृत्ति के लिए कुख्यात हैं, उसी तर्ज पर अब कानपुर के यह होटल नए अड्डे बनते जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, हर दिन सैकड़ों महिलाएं और युवतियाँ सुबह-सुबह होटलों में पहुंचकर अलग-अलग कमरों में क्लाइंट्स के साथ इस कारोबार में लिप्त हो जाती हैं। होटल कर्मचारी, मैनेजर, यहां तक कि सफाईकर्मी तक इस पूरे रैकेट का हिस्सा है।

- होटल बने सेक्स रैकेट के अड्डे, हर कमरे में चलता गोरखधंधा
- दलालों की पकड़ इतनी मजबूत, घरेलू महिलाएं और बच्चियां भी टारगेट पर
- पुलिस मौन, होटल मालिक लीज़ पर देते हैं देह व्यापार के लिए इमारत
- सीटीएस बस्ती से शिफ्ट होकर ओयो होटलों में पहुंचा अनैतिक कारोबार

होटल मालिक लीज पर दे रहे संपत्ति, वैवाहिक सीजन में भी जारी रहता अनैतिक धंधा

हैरानी की बात यह है कि जिन होटलों का उपयोग वैवाहिक कार्यक्रमों और पारिवारिक समारोहों के लिए किया जाता है, उन्हीं का एक हिस्सा चौबीसों घंटे देह व्यापार के लिए भी आरक्षित रहता है।

सूत्रों का कहना है कि कई होटल मालिक अपने परिसर को लीज़ पर देकर आंखें मूंद लेते हैं, जबकि होटल संचालक और स्टाफ इस अनैतिक काम को सुचारु रूप से चलाते हैं। पुलिस की सक्रियता की कमी और ओयो फ्रेंचाइजी के नाम पर होटल के संचालन की स्वतंत्रता इस गोरखधंधे को प्रश्रय दे रही है। कल्याणपुर थाने पर लंबे समय से यह आरोप लगते आए हैं कि सीटीएस बस्ती से लेकर अब

इन होटलों तक चल रहे इस देह व्यापार पर जानबूझकर कार्रवाई नहीं की जाती।

दलालों का बढ़ता प्रभाव, अब आम घरों की महिलाएं भी निशाने पर

अब यह मामला केवल सीमित महिलाओं तक नहीं रहा।

देह व्यापार से जुड़े दलाल अब आम घरों की महिलाओं और नाबालिग बच्चियों को भी पैसों का लालच देकर इस धंधे में धकेलने की कोशिश कर रहे हैं।

नतीजतन, कल्याणपुर क्षेत्र में अपराधों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। यदि स्थानीय प्रशासन और कानपुर पुलिस समय रहते कठोर जांच और कार्रवाई करें, तो एक बड़े सेक्स स्कैंडल का खुलासा संभव है। दैनिक स्वराज इंडिया इस खबर में किसी व्यक्ति विशेष की पहचान उजागर नहीं कर रहा, परंतु कानपुर पुलिस से आग्रह करता है कि ओयो के नाम पर चल रहे होटलों में हो रही अनैतिक गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाई जाए और दोषियों पर

ये गिरोह सिर्फ एक कॉल या व्हाट्सएप मैसेज पर मनचाही लड़की ग्राहक तक पहुंचा देता था। मामले की जांच कर रहे एसीपी पनकी शिखर के अनुसार संचालक शुभम पटेल और आशीष पाल के मोबाइल से भारी मात्रा में संवेदनशील डाटा, बैंक डिटेल और कॉलगर्ल की तस्वीरें मिली हैं।

FOLLOW UP

ऑनलाइन सिस्टम, व्हाट्सएप ग्रुप और होटल साठगांठ

यह सेक्स रैकेट पूरी तरह से आधुनिक तकनीक के सहारे संचालित हो रहा था।

पुलिस की जांच में सामने आया कि शुभम और आशीष ने अलग-अलग व्हाट्सएप ग्रुप बना रखे थे, जिनके जरिए ग्राहक संपर्क करते थे।

फिर कॉलगर्ल की तस्वीरें भेजी जातीं और पसंद आने पर ग्राहक से पहले ऑनलाइन पेमेंट लिया जाता। इसके बाद घर, होटल या गेस्ट हाउस पर युवतियों को भेजा जाता। कई स्थानीय होटलों के साथ मिलकर यह नेटवर्क चलता था और कमरे भी कमीशन के जरिए मुहैया कराए जाते थे।

पुलिस के निशाने पर अब पूरा सिंडिकेट

सेक्स रैकेट की परतें खुलने के बाद अब पुलिस ने इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। आधा दर्जन से ज्यादा होटलों की भूमिका संदिग्ध बताई जा रही है।

एडीसीपी वेस्ट कपिलदेव सिंह के मुताबिक, कई अन्य लोकेशन की पहचान की गई है जहां से रैकेट चलाया जा रहा था। बैंक खातों और कॉल डिटेल की जांच तेज कर दी गई है। आने वाले दिनों में शहर में फैले ऐसे अन्य रैकेट का भी पुलिस खुलासा कर सकती है।

हापुड़ में लेखपाल मीना की मौत से आहत संघ,बिल्हौर में जोरदार विरोध-प्रदर्शन

» तहसील सभागार में जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में धरना,शोकसभा में दी गई श्रद्धांजलि

» संघ का आरोप- बिना जांच अपमान और दंड से मानसिक तनाव में कर्मचारी

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ में लेखपाल मीना की संदिग्ध मौत ने पूरे प्रदेश में लेखपालों को झकझोर दिया है। आरोप है कि हापुड़ के जिलाधिकारी के कथित दमनात्मक व्यवहार के चलते लेखपाल तनाव में आ गए थे, जिसके चलते उनकी मौत हो गई। घटना के विरोध में सोमवार को उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ और चकबंदी लेखपाल संघ के आह्वान पर प्रदेश भर में लेखपालों ने धरना-प्रदर्शन किया।

इसी क्रम में बिल्हौर तहसील सभागार में जिलाध्यक्ष मोहित सचान के नेतृत्व में लेखपालों ने विरोध जताया। शोकसभा में दिवंगत साथी को श्रद्धांजलि दी गई। उपस्थित सभी सदस्यों ने मृतक के लिए संवेदना प्रकट करते हुए दो शब्द कहे।

धरने के दौरान लेखपाल संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि कुछ अधिकारी सोशल मीडिया पर प्रचार के लिए कर्मचारियों का सार्वजनिक रूप से अपमान करते हैं। बिना किसी जांच के दंड देना आम हो गया है, जिससे कर्मचारी मानसिक दबाव में आकर काम कर रहे हैं। इस दौरान तहसील मंत्री जीतेंद्र सिंह यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष धर्मेंद्र पाल, पूर्व तहसील अध्यक्ष ललित कुमार रजक, सुनील चौधरी, किशन, उमाकांत श्रीवास्तव, हिना समेत कई लेखपाल मौजूद रहे।

दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

धरने के अंत में लेखपालों ने नायब तहसील को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इसमें हापुड़ की घटना की उच्चस्तरीय जांच, दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई और मृतक आश्रितों को आर्थिक सहायता दिए जाने की मांग की गई।

पकड़े गए सेक्स रैकेट में बिल्हौर की सुंदरी भी शामिल

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। कल्याणपुर के पॉश इलाके में चल रहे हाई-प्रोफाइल सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए कल्याणपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। एसीपी पनकी के नेतृत्व में की गई छापेमारी में दर्जन भर लोगों को गिरफ्तार किया गया।

» फोटो भेजो, रेट लो और रात बुक करो!

» हाट्सएप पर चलता था सौदा, पॉश इलाके के बेसमेंट में हो रहा था गोरखधंधा

हैरानी की बात यह रही कि पकड़े गए आरोपियों में बिल्हौर के शांति नगर की रहने वाली एक सुंदरी भी शामिल है जो लंबे समय से इस गोरखधंधे में सक्रिय बताई जा रही है। यह रैकेट सोशल मीडिया और खास तौर पर व्हाट्सएप के ज़रिए संचालित हो रहा था, जहां ग्राहकों को लड़कियों की तस्वीरें भेजकर रेट तय किए जाते थे। पूरा कारोबार एक मकान के बेसमेंट में छिपकर चलाया जा रहा था।

पूछताछ में सामने आया है कि बिल्हौर की उक्त युवती सिर्फ शामिल ही नहीं थी, बल्कि ग्राहकों और लड़कियों के बीच संपर्क सूत्र के रूप में भी काम कर रही थी। सूत्रों के मुताबिक उसके मोबाइल से कई आपत्तिजनक चैट्स, फोटो और रिकॉर्डिंग बरामद की गई हैं।

स्थानीय युवा, रुतबेदार चेहरे रडार पर

सूत्रों का दावा है कि बिल्हौर के कुछ स्थानीय युवा और सफेदपोश रुतबेदार चेहरे भी इस रैकेट के नियमित ग्राहक रहे हैं, जिनकी पहचान की जा रही है। पुलिस ने इस गिरोह से जुड़े अन्य लिंक तलाशने के लिए जांच तेज़ कर दी है फिलहाल पकड़े गए सभी आरोपियों में पांच ग्राहक, दो संचालक और कॉल गर्ल भी शामिल है।

शादीशुदा निकली सेक्स रैकेट की सुंदरी!

हैरानी की बात ये है कि जो युवती इस देह व्यापार में पकड़ी गई है, वो शादीशुदा है। उसकी उम्र 24 बर्ष है। अब ज़रा सोचिए,जब उसके पति को यह बात पता चली होगी,तो उसके दिल पर क्या बीती होगी ? जिसने सात फेरे लिए, वो अब रंगीन रातों की दलाली करती निकली।

फोटो प्रतिकात्मक

मोहब्बत के रिश्ते को धंधे में बदल देने वाली ये हकीकत समाज को सोचने पर मजबूर कर गई है।

एक विष कन्या आई थी चर्चाओं में

मालूम हो कि कुछ दिन पहले 'विष कन्या' के नाम से चर्चित एक युवती बिल्हौर में अपना ज़हर फैला रही थी। कई लोग उसके जाल में फंसकर ठगी का शिकार हो चुके थे।स्वराज इंडिया ने इस पर लगातार खबरें प्रकाशित की थीं, जिनका संज्ञान लेते हुए कोतवाल अशोक कुमार सरोज ने उस युवती को क्षेत्र छोड़ने का अल्टीमेटम दिया था।

सावन के पहले सोमवार को शिवालयों में गूंजा हर हर महादेव

» शहर के शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा.

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। सोमवार रात 12 बजे से ही मंदिरों के बाहर भक्तों की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थीं, जिससे पूरा वातावरण हर-हर बम-बम और बोल बम के जयकारों से गूंज उठा। श्री आनंदेश्वर मंदिर परमट में भक्ति का सैलाब कानपुर के प्रसिद्ध श्री आनंदेश्वर मंदिर परमट में भक्तों की लंबी कतारें लगी जहां करीब आधा किलोमीटर लंबी कतार लगी हुई थी।

मंदिर प्रशासन ने भक्तों की सुविधा और सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं।रात 2 बजे की आरती के बाद जैसे ही दर्शन के पट खोले गए, भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था. सुबह 6 बजे तक, लगभग 80 हजार श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के दर्शन कर पुण्य कमाया

।सुचारु व्यवस्था और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम भीड़ को नियंत्रित करने और दर्शन को सुचारु बनाने के लिए मंदिर प्रशासन ने 100 से अधिक स्वयंसेवकों को तैनात किया था।ये स्वयंसेवक पूरी रात लाइन व्यवस्था बनाए रखने और भक्तों को मंदिर में प्रवेश दिलाने में सक्रिय रहे. सुरक्षा के दृष्टिकोण से मदिर परिसर में एक सीसीटीवी कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है ।जगह-जगह लगे कैमरों के जरिए कंट्रोल रूम से लगातार निगरानी की जा रही हैं। ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके. इस प्रकार श्री आनंदेश्वर मंदिर परिसर में श्रद्धा, सुरक्षा और सेवा का अद्भुत संगम देखने को मिला जिसने सावन के पहले सोमवार को यादगार बना गया है।

गंगा से जल भर कर किया अर्पण

बाबा भोलेनाथ के पवित्र मन सावन में कावरिया जल भरकर शिवलिंग को अर्पित करते हैं। कानपुर के आसपास प्रसिद्ध शिव मंदिरों में भी जलाभिषेक देर रात तक चलता रहा। शिवराजपुर के खेरेश्वर मंदिर, जाजमऊ के सिद्धनाथ मंदिर, बाबा आनंदेश्वर मंदिर , नवाबगंज स्थित महादेव मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहा।

सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के दिए निर्देश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। सावन के पावन महीने में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए आज जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती रश्मि सिंह के साथ परमट स्थित प्राचीन आनंदेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना कर भगवान शिव का विधिवत जलाभिषेक किया।

पूजन के पश्चात जिलाधिकारी ने मंदिर परिसर व घाटों पर सुरक्षा और व्यवस्था संबंधी तैयारियों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने घाट पर की गई बैरिकेडिंग, जल पुलिस की तैनाती, सीसीटीवी निगरानी, आपातकालीन सेवाओं और साफ-सफाई की स्थिति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मौके पर

उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा, श्रद्धालुओं को दर्शन और पूजन में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी विभाग समन्वय से कार्य करें।गंगा नदी के जलस्तर में निरंतर हो रही वृद्धि को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की कि वे घाटों के अत्यधिक निकट न जाएं और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन करें। उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक संसाधन तैनात किए जा चुके हैं।

श्रावण मास में भक्तों की भारी भीड़ के मद्देनज़र जिलाधिकारी का यह दौरा न केवल प्रशासनिक सतर्कता का संकेत है, बल्कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को लेकर जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

सम्पादकीय

नियामक एजेंसियों की सख्ती से ही अंकुश

विभिन्न देशों द्वारा आतंकवादियों को दी जाने वाली प्रत्यक्ष व परोक्ष मदद पर नजर रखने वाली वैश्विक आतंकवाद वित्तपोषण निगरानी संस्था यानी एफएटीएफ की हालिया रिपोर्ट चौंकाने वाली है। एफएटीएफ की रिपोर्ट में यह सनसनीखेज बात उजागर हुई है कि आतंकवादी वित्तीय संसाधन जुटाने व खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने के लिये बड़े पैमाने पर ऑनलाइन सेवाओं का दुरुपयोग कर रहे हैं। रिपोर्ट खुलासा करती है कि वर्ष 2019 के पुलवामा आतंकी हमले में विस्फोटक पदार्थ का एक भाग ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से खरीदा गया था। निश्चित रूप से जिस तेजी से आतंक का नेटवर्क ऑनलाइन बाजार का फायदा उठा रहा है, वह कानून की नियामक एजेंसियों के लिये चिंता का विषय होना चाहिए। बताया जा रहा है कि आतंकवादी इंटरनेट के जरिये विस्फोटक बनाने की तरकीब भी सीख रहे हैं। इंटरनेट से बम बनाने की तकनीक सीखने की खबरों के बीच हमारे नीति-नियंताओं को इस पर अंकुश लगाने की दिशा में गंभीर पहल करनी चाहिए। साथ ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों पर दबाव बनाना चाहिए कि वे आतंकवादियों के लिए मददगार सामान पर सख्ती से अंकुश लगाएं। इससे पहले एफएटीएफ ने संकेत दिए थे कि पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठान आतंकवादियों को न केवल पैसा व हथियार दे रहे हैं बल्कि उन्हें ट्रेनिंग देने में भी मदद की जा रही है। एफएटीएफ की रिपोर्ट में इस बात का भी खुलासा हुआ है कि आतंकी मंसूबों को पूरा करने के लिये आतंकवादी ऑनलाइन सेवाओं के जरिये हथियार, रसायन और थ्री डी-प्रिंटिंग सामग्री भी खरीद रहे हैं। यह विडंबना ही है कि आम नागरिकों के जीवन को सरल-सुविधाजनक बनाने के लिये जिन ऑनलाइन सेवाओं की शुरुआत हुई थी, वह अब आतंकवादियों की मदद का साधन बन गई है। विश्व के आतंकवादी संगठन आधुनिक तकनीक के जरिये न केवल अपने मंसूबों को पूरा कर रहे हैं बल्कि पुलिस व कानून से बचने में इंटरनेट उनका मददगार बन गया है। जिसमें आतंक की पाठशाला चलाने वाली सरकारें भी सहायक बनी हैं।विगत के कुछ वर्षों में हुए कुछ बड़े हमलों की जांच में प्रमाणिक रूप से इस बात का खुलासा हुआ है कि अब आतंकी हमलों के लिये खतरनाक ढंग से ऑनलाइन सेवाओं का दुरुपयोग किया गया है। यह विडंबना ही है कि अपराधी व आतंकवादी खुफिया एजेंसियों द्वारा अपराध नियंत्रण के लिये चलाये जा रहे अभियानों को धता बताकर अपने खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने लगे हैं। जिन ऑनलाइन सेवाओं से उपभोक्ताओं की सुविधाओं को विस्तार दिया जा रहा था, उस व्यवस्था के छिद्रों से अपराधियों ने अपनी सुगम राह तलाश ली है। जिस पर सख्त निगाह रखना सरकारों का प्राथमिक दायित्व बनता है। यदि समय रहते इस दिशा में सख्त कदम न उठाये गए तो यह व्यवस्था आतंकवादियों के खतरनाक अभियानों के लिये सुरक्षित रास्ता बन जाएगा। इस बात का उल्लेख प्रधानमंत्री ने हालिया विदेश यात्रा के दौरान कई अंतर्राष्ट्रीय मंचों से किया। लेकिन पाकिस्तान जैसे कई देश आतंकवाद के विरुद्ध जारी मुहिम को कमजोर करने के प्रयास में जुटे हैं। विडंबना यह है कि पाक खुद को आतंकवाद से पीड़ित दर्शाने का कुत्सित प्रयास कर रहा है। यही वजह है कि गत माह वैश्विक निगरानी संस्था एफएटीएफ ने स्पष्ट किया था कि पहलगाम हमला संस्थागत बगैर वित्तीय मदद के संभव नहीं हो सकता था। निश्चित रूप से एफएटीएफ के इस खुलासे से पाकिस्तान दुनिया के सामने एक बार फिर बेनकाब हुआ है।

समग्र प्रयासों में निहित जल संकट का समाधान

सोमेश गोयल

डे ज़ीरो जैसे गंभीर जल संकट की आशंका से निपटने के लिए नागरिकों को तार्किक उपयोग के जरिये जल की बचत करनी चाहिये। वहीं कृषि क्षेत्र में कम खपत वाले वैकल्पिक उपाय जरूरी हैं। जल प्रबंधन के तकनीकी नवाचार अपनाने की जरूरत है। वहीं जोर जलस्रोत संरक्षण, वर्षा जल संचयन व रिचार्जिंग पर हो।डे ज़ीरो–एक ऐसा शब्द है जो अब केवल एक संभावित आपदा नहीं, बल्कि 21वीं सदी के सबसे गंभीर मानवीय संकटों में से एक का प्रतीक बन चुका है। यह शब्द पहली बार 2018 में वैश्विक स्तर पर चर्चा में तब आया जब दक्षिण अफ्रीका का कैपटाउन शहर पानी की आपूर्ति पूरी तरह समाप्त होने के कगार पर पहुंच गया था। 'डे ज़ीरो' वह दिन होता है जब शहर के सभी नल बंद कर दिए जाते हैं, और नागरिकों को सार्वजनिक वितरण केंद्रों पर लंबी कतारों में खड़े होकर सीमित मात्रा में पानी प्राप्त करना पड़ता है।

कैपटाउन में यह सीमा प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 25 लीटर निर्धारित की गई थी। हालांकि इस संकट का कारण केवल जलवायु परिवर्तन या वर्षा की अनिश्चितता नहीं था—यह दशकों की नीति विफलता, शहरों का अति-विस्तार, परंपरागत जल स्रोतों की उपेक्षा और जल प्रबंधन में बड़ी खामियों का संयुक्त परिणाम था।

कैपटाउन ने कड़ी नीतियों और नागरिक सहभागिता से इस आपदा को कुछ समय के लिए टाल दिया है। लेकिन पानी की गंभीर किल्लत की आहट अब भारत के दरवाज़े तक होने लगी है। भारत जैसे देशों में, जहां जनसंख्या अत्यधिक है, शहरीकरण अनियंत्रित है, और भूजल दोहन पर कोई स्पष्ट नियंत्रण नहीं—डे ज़ीरो अब भविष्य की आशंका नहीं, बल्कि एक आसन्न यथार्थ है।बेंगलुरु, जिसे कभी 'झीलों का शहर' कहा जाता था, आज जल संकट के सबसे भीषण दौर से गुजर रहा है। यहां की अधिकांश झीलें अब या तो कचरा डंपिंग साइट बन चुकी हैं या अवैध निर्माण की भेंट चढ़ गईं। भूजल स्तर हर वर्ष 10-12 मीटर की दर से नीचे जा रहा है। बेंगलुरु में डे ज़ीरो की आंशिक झलक तब देखने को मिली जब पूरे शहर में टैंकर के पानी पर निर्भरता बढ़ी।चेन्नई भी 2019 में डे ज़ीरो जैसे संकट का सामना कर चुका है जब उसके चारों जलाशय सूख गए थे। वहीं दिल्ली की स्थिति भी बेहतर नहीं—शहर की मुख्य जलधारा यमुना प्रदूषण और अतिक्रमण की शिकार है, जबकि भूजल स्तर अत्यधिक गंभीर श्रेणी में जा चुका है। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार 2030 तक भारत के 21 बड़े शहरों में जलापूर्ति पूरी तरह समाप्त हो सकती है।पानी के मामले में हरियाणा की स्थिति भी चिंताजनक है। धान, गन्ने जैसी अत्यधिक जल-खपत वाली फसलों का विस्तार, सिंचाई तकनीकों का अल्प उपयोग और नगण्य वर्षा जल संचयन ने भूजल अंधाधुंध तरीके से समाप्त कर दिया। केंद्रीय भूजल बोर्ड के अनुसार हरियाणा के 85 प्रतिशत से अधिक क्षेत्रों में भूजल स्तर खतरनाक स्तर पार कर चुका है।भारत में जल संकट के लिए जिम्मेदार केवल वर्षा की अनियमितता नहीं है, बल्कि जल निकायों पर अतिक्रमण, नीति असंगति, शहरी अपशिष्ट का जल स्रोतों में मिलना और लोगों में जल बचत के प्रति उदासीनता जैसे कारक भी उतने ही उत्तरदायी हैं।

जल संकट से निपटने के लिए कई योजनाएं तो बनाई गईं, लेकिन उनका क्रियान्वयन कागज़ी आंकड़ों तक ही सीमित रह गया। मसलन, जल जीवन मिशन को सिर्फ 'हर घर नल' तक सीमित समझा गया, जबकि उसका मूल उद्देश्य स्थानीय जल स्रोतों का सशक्तीकरण और सामुदायिक सहभागिता के ज़रिए जल आत्मनिर्भरता था।इस स्थिति से निपटने के लिए बहुआयामी रणनीति अपनानी होगी। जल को केवल सरकारी जिम्मेदारी न मानकर नागरिक सहभागिता पर बल देना होगा। जल संरक्षण को जीवनशैली में लाना होगा – जैसे कैपटाउन में लोगों ने बर्तनों में नहाने का पानी जमा कर पौधों को सींचा, हाथ धोते समय नल बंद करना सीखा और शौचालयों में रिसाइकल पानी का प्रयोग शुरू किया।

किसानों को विवशता की हद से मुक्त कराएं

हरित क्रांति

पंकज चतुर्वेदी

बरसों पहले एक फिल्म आयी थी 'मदर इंडिया' इसमें नायिका को अम्बादास की तरह ही हल खींचते हुए दिखाया गया था। बचपन में देखी फिल्म का वह दृश्य आज भी आंखों में आंसू ला देता है। उम्मीद ही की जा सकती है कि उस फिल्म की यह पुनरावृत्ति-अम्बादास का हल जोतना-कहीं न कहीं ज़िम्मेदारी का भाव जगायेगी।हाल ही में सोशल मीडिया पर एक छोटा-सा वीडियो वायरल हुआ था। आपने भी देखा होगा एक बूढ़ा किसान बैल बनकर अपने खेत को जोत रहा है। उसे कितनी ताकत लगानी पड़ रही है इस काम में, इसका अहसास उसके चेहरे को देखकर अनायास ही हो जाता है। उसके पीछे से टेका देने का काम उसकी बूढ़ी पत्नी कर रही है। यह चित्र लगभग 70 वर्षीय किसान अम्बादास पवार और उसकी पत्नी का है। चार बीघा जमीन है दोनों के पास। पर हल चलाने के लिए बैल खरीदना उसके बस की बात नहीं है। इसलिए वह खुद बैल बन गया है!

ज्ञातव्य है कि यह दृश्य उस महाराष्ट्र का है जिसकी गणना देश के विकसित राज्यों में होती है। ज्ञातव्य यह भी है कि देश में किसानों द्वारा की जाने वाली आत्महत्याओं में महाराष्ट्र के किसानों की संख्या सर्वाधिक है- पिछले तीन महीनों में अर्थात? अप्रैल, मई, जून, 2025 में महाराष्ट्र में 767 किसानों को आत्महत्या के लिए मजबूर होना पड़ा है! पिछले दस सालों में यह आंकड़ा औसतन प्रतिदिन दस आत्महत्याओं का पड़ता है। पचपन साल पहले देश में हरित क्रांति हुई थी। यह एक सच्चाई है। कृषि क्षेत्र में हमारे कृषि वैज्ञानिकों और हमारे किसानों ने 1970 में इस सच्चाई को साकार किया था। लेकिन यह सच्चाई जितनी मीठी है, उतनी ही कड़वी यह सच्चाई भी है कि हरित क्रांति के बावजूद हमारे किसानों की हताशा के फलस्वरूप देश में होने वाली आत्महत्याओं की संख्या लगातार डरावनी बनी हुई है। किसानों द्वारा की जाने वाली आत्महत्याओं का यह शर्मनाक सिलसिला हरित क्रांति के चार-पांच साल बाद ही शुरू हो गया था!

इसका कारण खोजने की आवश्यकता नहीं है, यह एक खुला रहस्य है कि कृषि क्षेत्र में विकास के सारे दावों के बावजूद अधिसंख्य किसान अभावों की जिंदगी ही जी रहे हैं। इस दौरान बड़े-बड़े दावे हुए हैं किसानों के विकास के। करोड़ों-करोड़ों रुपया कथित 'खुशहाल किसानों' की तस्वीर दिखाते विज्ञापनों पर खर्च हो रहा है; हर किसान का बैंक खाता होने का ढिंढोरा पीटा जा रहा है। यह नहीं भुलाया जाना चाहिए कि विज्ञापनों की सच्चाई और स्थिति की भयावहता कुछ और ही वर्णन कर रही है। यदि हमारा अन्नदाता सचमुच समृद्ध होता जा रहा है तो फिर देश की अस्सी करोड़ आबादी मुफ्त अनाज लेने के लिए विवश क्यों है? इस मुफ्त अनाज को भले ही कुछ भी नाम दिया जाये, पर हकीकत यही है कि सरकार के सारे दावों और वादों के बावजूद देश का औसत किसान आज भी ऋण में पैदा होता है, ऋण में जीता है और ऋण में ही मरने के लिए शापित है। यह शाप कब दूर होगा?किसानों की दुर्दशा के जो कारण बताये जाते हैं, उनमें सबसे पहला स्थान ऋण का ही है। साहूकारों से, बैंकों से और अन्य सरकारी एजेंसियों से हमारा किसान ऋण लेता है। और यह ऋण समाप्त होने का नाम ही नहीं लेता! जिन्हें ऋण मिल जाता है, उनकी जिंदगी उसे चुकाने में ही कट जाती है। यहीं इस बात को भी रेखांकित किया जाना ज़रूरी है कि भारत का किसान उन उद्योगपतियों की तुलना में कहीं अधिक ईमानदार है जो बैंकों से अरबों का ऋण लेते हैं और या तो स्वयं को दिवालिया घोषित कर देते हैं या फिर विदेश में कहीं ऐसी जगह पर बस जाते हैं जहां से उन्हें भारत प्रत्यर्पित करना आसान नहीं होता। अरबों-खरबों के इन देनदारों को इस बात से भी कोई अंतर नहीं पड़ता कि दुनिया उन्हें बेईमान कह रही है। उनकी तुलना में हमारा किसान कहीं अधिक शर्मदार है।

पत्रकारिता को बदनाम करते वो चेहरे जिन पर दर्ज हैं संगीन मुकदमे

» प्रेस का चोला पहनकर वसूली करने वाले तीन अपराधी उजागर

» प्रेस कार्ड की आड़ में अपराध! कानपुर में नकली पत्रकारों का खुलासा

अमित पटेल

सुधीर तिवारी उर्फ धीरू

सोनू गुप्ता

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां आपराधिक प्रवृत्ति के लोग पत्रकार की पहचान का मुखौटा पहनकर प्रशासन और पुलिस तंत्र में सेंध लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

प्रेस कार्ड और माइक आईडी के बल पर खुद को मीडिया से जोड़कर ये व्यक्ति न केवल खुद को सुरक्षित रख रहे हैं, बल्कि समाज में भ्रम फैला रहे हैं। अब पुलिस रिकॉर्ड से साफ हो गया है कि ये तथाकथित पत्रकार असल में आपराधिक दुनिया के पुराने खिलाड़ी हैं।

कानपुर पुलिस के रिकॉर्ड में दर्ज असलियत

पहला नाम है सोनू गुप्ता, जो पुलिस के अनुसार वांछित अपराधी है। कानपुर पुलिस ने उसे जिलाबदर घोषित किया है। इसके खिलाफ कई संगीन मुकदमे दर्ज हैं, लेकिन वर्षों से खुद को पत्रकार बताकर घूम रहा है।

दूसरा नाम है अमित पटेल, जिसके खिलाफ थाना सचेंडी में रंगदारी, आईटी एक्ट और आत्महत्या के लिए उकसाने जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज है। इसके बावजूद वह एक तथाकथित पत्रकार बनकर समाज में घूम रहा है और अपने प्रभाव का गलत इस्तेमाल कर रहा है।

तीसरा नाम है सुधीर तिवारी उर्फ धीरू, जो हाल ही में हत्या के प्रयास के मामले में जेल से छूटा है। इसके खिलाफ बिधनू, सचेंडी तथा पनकी आदि थानों में तमाम मामले दर्ज हैं। यह व्यक्ति भी खुद को पत्रकार बताकर क्षेत्र में पहचान बनाए हुए है, जबकि इसका आपराधिक इतिहास किसी से छिपा नहीं है।

पत्रकारिता के लिए खतरा बनते अपराधी तत्व

ऐसे घटनाक्रमों से साफ है कि मीडिया की आड़ में अपराधियों को सुरक्षित पनाहगाह मिल रही है। यह भारतीय पत्रकारिता की छवि के लिए बेहद घातक है। इन जैसे नकली पत्रकारों की वजह से ईमानदारी से काम कर रहे हजारों पत्रकारों की छवि धूमिल हो रही है। सवाल यह है कि क्या प्रेस कार्ड किसी भी व्यक्ति को बिना जांच के जारी कर दिया जाना चाहिए? क्या पत्रकारिता से जुड़े संगठनों और पुलिस प्रशासन को इन मामलों में अपनी जवाबदेही तय नहीं करनी चाहिए?

जब तक प्रेस की पहचान को रेगुलेट करने वाला कोई स्पष्ट, कड़ा और प्रभावी तंत्र नहीं होगा, तब तक ऐसे तत्व पत्रकारिता को शर्मसार करते रहेंगे। ईमानदार पत्रकारों की सुरक्षा और मीडिया संस्थानों की साख के लिए ऐसे नकली पत्रकारों की पहचान करके कार्रवाई करना अब समय की मांग है।

अपार्टमेंट में लगी आग, जान बचाकर भागे लोग

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कल्याणपुर स्थित केशवकुंज अपार्टमेंट के बेसमेंट में रविवार रात शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। धुएं और आग की लपटों के कारण मुख्य गेट से बाहर निकलना मुश्किल हो गया, जिससे लोगों ने बगल की बिल्डिंग के दूसरे गेट से भागकर अपनी जान बचाई।

कानपुर में कल्याणपुर थाना क्षेत्र केशवपुरम में रविवार रात करीब एक बजे एक अपार्टमेंट के बेसमेंट में आग गई। धुआं उठते देख बगल में चाय की दुकान वाले ने सूचना दी। मुख्य गेट पर आग के गोले उठते देख अंदर के लोग किसी दूसरी बिल्डिंग में बने दूसरे गेट से बाहर भागकर अपनी जान बचाई। वहीं, तीसरे फ्लोर पर दो महिलाएं बाहर नहीं निकल पाई। उन्हें फायर ब्रिगेड ने रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला।

आवास विकास केशवपुरम में केशवकुंज अपार्टमेंट चार मंजिल बना हुआ है। इसमें 14 परिवार रह रहे हैं। रविवार देर रात करीब एक बजे शॉर्ट सर्किट के चलते बेसमेंट

में आग लग गई। धुआं उठता देख अपार्टमेंट के गार्ड लक्ष्मी मिश्र और बगल में चाय की दुकान वाले ने अपार्टमेंट के अंदर लोगों को सूचना दी। पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। इसके बाद आग बुझाने का प्रयास किया। देखते ही देखते लपटें बिल्डिंग के ऊपर तक जाने लगी।आग की लपटों और धुएं के गुबार मुख्य द्वार भी बंद हो गया। दहशत का का ऐसा मंजर की लोग किसी तरह बगल वाली बिल्डिंग में बने दूसरे गेट से जान बचाकर भागे। करीब दो बजे फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची। आग बुझाने में लग गई। वहीं तीसरे मंजिल पर विमला देवी कटियार (62) और मीरा कटियार (28) धुंध की वजह से सहम गई और नीचे आने की हिम्मत नहीं जुटा पाई। फायर ब्रिगेड की टीम ने अंदर घुसकर उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला।

नवविवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत, घाट से लौटाया गया शव

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद कोतवाली क्षेत्र के बिरिया गांव में एक नवविवाहिता की मौत ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। शनिवार देर शाम 25 वर्षीय श्रुति पत्नी सत्येंद्र की अचानक मौत हो गई। परिजन आनन-फानन में शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिवारजन अंतिम संस्कार के लिए शव को खेरेश्वर घाट ले गए।

» श्रुति की हुई थी हाल ही में शादी, टीबी की बीमारी की भी सामने आई बात

» दोनों पक्ष पोस्टमार्टम नहीं चाहते थे, फिर भी पुलिस ने कराया हस्तक्षेप

इस बीच असालतगंज चौकी प्रभारी मिलन सिरोही को मामले की सूचना मिली। पुलिस तत्काल घाट पर पहुंची और शव को दोबारा रसूलाबाद अस्पताल ले गई। पुलिस ने पंचनामा की प्रक्रिया शुरू कर पोस्टमार्टम की तैयारी की, जबकि मृतका के ससुराल और मायके दोनों पक्षों ने एक स्वर में पोस्टमार्टम न कराने की अपील की। उनका कहना था कि जब दोनों ही परिवार सहमत हैं और कोई आपत्ति नहीं है, तो पोस्टमार्टम पर ज़बरदस्ती क्यों?

टीबी से थी पीड़ित, विवाह के कुछ महीने बाद ही बिगड़ी हालत

मृतका की मां पूनम ने बताया कि श्रुति टीबी की बीमारी से पीड़ित थी और रावतपुर के मुरारीलाल अस्पताल में इलाज करा रही थी।

वह कुछ समय से मायके में रह रही थी, लेकिन हाल ही में उसने जिद कर ससुराल लौटने की इच्छा जताई थी। शनिवार शाम उसे ससुराल छोड़ा गया, लेकिन रात में अचानक तबीयत बिगड़ने पर पति ने सूचना दी।

सीएचसी के डॉक्टर ब्रजेश के अनुसार, रात करीब पौने एक बजे मृतका को अस्पताल लाया गया, जहां जांच के बाद मृत घोषित कर दिया गया।

सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची और रविवार को फिर से शव को घाट से लेकर अस्पताल लाई गई। श्रुति की शादी दिसंबर 2024 में हुई थी, जिससे यह मामला और भी संवेदनशील हो गया है।

रूरा में डाउन रेल ट्रैक पर हादसा, 65 वर्षीय बुजुर्ग की मौत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। दिल्ली से कानपुर की ओर जा रही डाउन ट्रैक पर आज सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। एक 65 वर्षीय बुजुर्ग ट्रेन की चपेट में आकर कट गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसा रेलवे ट्रैक के खंभा नंबर 533/2 और 533/4 के बीच हुआ।

घटनास्थल पर एक सफेद कीपैड मोबाइल फोन मिला, जिस पर लगातार कॉल आ रही थी। फोन रिसीव करने पर एक महिला ने स्वयं को सोनी गुप्ता बताया और कहा कि यह मोबाइल उनके पिता शांति स्वरूप गुप्ता पुत्र मुंशीलाल गुप्ता, निवासी वार्ड नंबर 10, गणेशगंज, थाना रूरा का है।

घटना की सूचना मिलने पर मृतक के पुत्र सुनील गुप्ता, निवासी गुजैनी थाना गुजैनी, जनपद कानपुर नगर को जानकारी दी गई। सुनील गुप्ता का मोबाइल नंबर 799168049 और सोनी गुप्ता का नंबर 787433567 बताया गया है।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव की पहचान शांति स्वरूप गुप्ता के रूप में की और परिजनों को सूचित कर दिया गया। पंचायतनामे की कार्रवाई जारी है। फिलहाल रेलवे ट्रैक को खाली करवा दिया गया है और लाइन पुनः चालू कर दी गई है। रेलवे और पुलिस प्रशासन द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

मुगलकालीन शिव मंदिर बना हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक

» शुक्ल तालाब परिसर में स्थित नर्मदेश्वर महादेव मंदिर बना श्रद्धा और सौहार्द का केंद्र

» योगी सरकार करेगी सौंदर्यीकरण, 38 करोड़ की योजना को मिली मंजूरी

शंकर सिंह / स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिले के अकबरपुर कस्बे में स्थित ऐतिहासिक शुक्ल तालाब परिसर में एक ऐसा शिव मंदिर है जो न सिर्फ लोगों की आस्था का केंद्र है, बल्कि हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल भी पेश करता है। सावन के महीने में यहां हर सोमवार हजारों की संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक व पूजन अर्चन के लिए पहुंचते हैं। इस परिसर में एक ओर प्राचीन नर्मदेश्वर महादेव मंदिर है, तो दूसरी ओर एक पुरानी मस्जिद भी स्थित है, जहां मुस्लिम समाज के लोग नमाज अदा करते हैं। वर्षों से यह स्थान सांप्रदायिक सौहार्द और भाईचारे का जीता-जागता उदाहरण बना हुआ है।

शुक्ल तालाब और मंदिर की ऐतिहासिक विरासत

इतिहासकारों के अनुसार, सन 1556 में जब अकबर ने दिल्ली की गद्दी संभाली तो उसने अकबरपुर में शीतल शुक्ल को दीवान और नत्थे खां को आमिल नियुक्त किया। वर्ष 1578 में जब अकबरपुर में अकाल पड़ा, तब इन दोनों ने अपने निजी प्रयासों से शुक्ल तालाब का निर्माण कराया।

तालाब निर्माण की जांच खुद अकबर ने की और कार्य से संतुष्ट होकर दोनों को इनाम दिया।

शीतल शुक्ल ने भगवान शिव में गहरी आस्था के चलते इसी परिसर में भव्य नर्मदेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण कराया। यह मंदिर स्थापत्य कला की दृष्टि से अनोखा है और आज भी इसकी नक्काशी लोगों को मुग्ध कर देती है।

अब इस ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित करने के लिए योगी सरकार ने इसे हेरिटेज होटल के रूप में विकसित करने की योजना को मंजूरी दे दी है।

करीब 38 करोड़ की लागत से इस परिसर का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। यदि यह कार्य योजना साकार होती है तो न सिर्फ स्थानीय पर्यटन को बल मिलेगा, बल्कि यह स्थान राज्य की सांस्कृतिक विरासत का गौरव भी बढ़ाएगा।

सावन में उमड़ती है श्रद्धा की बयार

हर साल सावन के महीने में इस मंदिर में विशेष रुद्राभिषेक, भंडारा और धार्मिक आयोजनों का आयोजन होता है। पंचाक्षरी मंत्र? नमः शिवाय के जाप के साथ श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं लेकर यहां जुटते हैं। स्थानीय लोग स्वेच्छा से सेवा भाव में जुट जाते हैं, पूरे परिसर की सफाई से लेकर पूजा प्रबंध तक, हर व्यवस्था को सफल बनाने में सहयोग करते हैं। अंतिम सोमवार को होने वाले आयोजन में हज़ारों श्रद्धालु शामिल होते हैं।

शिवराजपुर थाने में कांवड़ियों का हंगामा, पुलिस से भिड़े श्रद्धालु

» थाने में पुलिस प्रशासन हाय-हाय के नारे लगाए

स्वराज इंडिया संवाददाता

शिवराजपुर (कानपुर)। सावन के पहले सोमवार पर खेरेश्वर घाट पर उमड़ी भारी भीड़ के बीच शिवराजपुर थाना परिसर में जमकर हंगामा हुआ। एक घायल कांवड़िये को लेकर उसके समर्थकों ने थाना घेर लिया और पुलिसकर्मियों से मारपीट व गाली-गलौज शुरू कर दी। जानकारी के मुताबिक घाट पर भीड़ अधिक होने से अफरातफरी मच गई थी। इसी दौरान एक युवक के गिरकर घायल होने पर श्रद्धालुओं ने आरोप लगाया कि पुलिस ने भीड़ पर लाठी चला दी थी, जिससे यह हादसा हुआ। वहीं, पुलिस का कहना है कि घायल युवक की मदद के लिए पहुंचे स्काउट गाइड और होमगार्ड को कुछ श्रद्धालुओं ने निशाना बनाया। मारपीट और धक्का-मुक्की की गई, जिसे लेकर शिवराजपुर थाना पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप किया। घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।हंगामे की पूरी घटना थाना परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई है। फुटेज के आधार पर पुलिस ने अब तक पांच उपद्रवी लोगों को चिन्हित कर लिया गया है और पुलिस उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही में जुट गई है। हालात अब सामान्य बताए जा रहे हैं लेकिन सावन के आगे के सोमवारों को लेकर पुलिस और प्रशासन ज्यादा सतर्क नजर आ रहा है। मामले में शिवराजपुर इंस्पेक्टर से संपर्क नहीं हो सका।

जन आरोग्य मेले में लापरवाही उजागर, अनुपस्थित मिले स्वास्थ्यकर्मी

» डिप्टी सीएमओ ने किया औचक निरीक्षण, ड्यूटी से नदारद मिले कर्मचारी

» रिपोर्ट सीएमओ को सौंपी, कार्रवाई के दिए निर्देश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले की हकीकत जानने पहुंचे जिले के डिप्टी सीएमओ डॉ. आदित्य सचान और डॉ. आशीष वाजपेयी को बड़ागांव भिक्की पीएचसी पर अव्यवस्था और लापरवाही का सीधा सामना करना पड़ा। रविवार को जब दोपहर करीब सवा एक बजे डिप्टी सीएमओ वहां पहुंचे, तो स्वास्थ्य केंद्र पर एएनएम दीपा पांडेय बिना सूचना के अनुपस्थित मिलीं। रजिस्टर खंगालने पर पता चला कि वह लगातार तीन दिन से ड्यूटी पर नहीं आई थीं।

हस्ताक्षर थे, पर कर्मी नहीं

स्वास्थ्य कर्मी शिवम कुमार और वार्ड ब्वाय पंकज कुमार के हस्ताक्षर तो ड्यूटी रजिस्टर में दर्ज मिले,

लेकिन वे दोनों मौके से नदारद थे। इस पर डिप्टी सीएमओ ने डेरापुर सीएचसी अधीक्षक डॉ. अशोक कुमार को फटकार लगाते हुए दोषियों पर कार्यवाही के निर्देश दिए।

बाद में जब डिप्टी सीएमओ दोपहर दो बजे के करीब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नोनारी पहुंचे, तो वहां सभी कर्मचारी उपस्थित मिले।

डॉ. आदित्य सचान ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दोषी कर्मचारियों के खिलाफ रिपोर्ट सीएमओ को भेजी जा रही है और शीघ्र ही आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

अयोध्या होटल कांडः बसपा जिलाध्यक्ष की बेटी की संदिग्ध मौत पर गांव में मातम

अंतिम संस्कार के दौरान हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी/अयोध्या। अयोध्या के एक होटल में बाराबंकी के बसपा जिलाध्यक्ष के.के. रावत की बेटी अरोमा रावत और एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से हड़कंप मच गया। दोनों रविवार को होटल में रुके थे। शाम करीब 6 बजे जब कमरा काफी देर तक नहीं खुला, तो होटल प्रबंधन ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस की मौजूदगी में जब दरवाजा खुलवाया गया, तो कमरे के अंदर दोनों के शव पड़े मिले।घटना की सूचना मिलते ही अरोमा का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव अधुर्जन पुरवा, गाजीपुर (बाराबंकी) लाया गया, जहां अंतिम संस्कार के दौरान हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे। भारी संख्या में क्षेत्रीय लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं की भीड़ देखी गई।

इस दुखद मौके पर बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष विजय कुमार, बराती लाल गौतम और आरिफ अंसारी समेत कई वरिष्ठ नेता पहुंचे और परिजनों को ढांढस बंधाया। प्रशासन की ओर से राजस्व निरीक्षक अवधेश कुमार और संदीप कुमार वर्मा ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।घटना को लेकर बसपा प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए इसे दुखद और निंदनीय बताया। उनके साथ दिलीप कुमार विमल (मुख्य मंडल प्रभारी), अम्बेडकर नगर जिलाध्यक्ष सहित कई वरिष्ठ बसपा नेता भी घटनास्थल और अंतिम संस्कार स्थल पर पहुंचे।

पुलिस द्वारा घटना की जांच की जा रही है, वहीं परिजनों और समाज में इस घटना को लेकर गहरा शोक और आक्रोश व्याप्त है।

पहले सोमवार को लोधेश्वर महादेवा धाम में उमड़ा जन सैलाब

» हर-हर बम-बम के जयघोष से गूंजा मेला क्षेत्र

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। बाराबंकी। उत्तर भारत के प्रमुख तीर्थ स्थलों में शुमार लोधेश्वर महादेवा धाम में श्रावण मास के प्रथम सोमवार को शिव भक्तों का अद्भुत जनसैलाब उमड़ पड़ा। रविवार की रात से ही श्रद्धालु मंदिर परिसर में हाथों में जल भरे लोटे, बेलपत्र, धतूरा, पुष्प आदि लेकर दर्शन के लिए पंक्तिबद्ध हो गए थे। आधी रात से ही हर-हर बम-बम के जयघोषों से पूरा मेला क्षेत्र गूंजायमान हो गया।श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए थे।

पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय, अपर जिलाधिकारी अरुण कुमार सिंह एवं अपर पुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी ने मेला क्षेत्र का भ्रमण कर ड्यूटी में तैनात पुलिस बल को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

शिवधाम के कपाट अर्धरात्रि से ही श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए, जहां बच्चों, महिलाओं व पुरुषों की लंबी कतारें बैरिकेडिंग के माध्यम से व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ रही थीं। श्रद्धालु गर्भगृह में पहुंचकर जलाभिषेक व पूजन कर देवाधिदेव महादेव से मनवांछित फल की कामना कर रहे थे।

मेले में बाराबंकी ही नहीं, दूर-दराज़ से हजारों श्रद्धालु और कांवड़िए शामिल हुए। बरसात और उमस भी शिव भक्तों की आस्था के आगे फीकी साबित हुई।सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस क्षेत्राधिकारी रामनगर गरिमा पंत, थाना प्रभारी अनिल कुमार पांडे, महादेवा चौकी प्रभारी संतोष कुमार त्रिपाठी सहित भारी संख्या में पुलिस और पीएसी के जवान मुस्तैद नजर आए।श्रद्धालुओं की सुविधाओं का जायजा लेने के लिए उप जिलाधिकारी विवेक शील यादव, तहसीलदार कपिल कुमार सिंह और नायब तहसीलदार विजय कुमार तिवारी सहित प्रशासनिक अमला भी सक्रिय रहा।

श्रावण के पहले सोमवार को लोधेश्वर महादेवा धाम में श्रद्धा, भक्ति और प्रशासनिक समन्वय का अनुपम दृश्य देखने को मिला।

प्रसन्ननाथ मंदिर भगौली में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

» सतयुग से जुड़ी मान्यताओं ने बढ़ाई आस्था

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। श्रावण मास के पहले सोमवार को भगौली तीर्थ स्थित प्राचीन प्रसन्ननाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की जबरदस्त भीड़ उमड़ी। सुबह से ही मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से गूंजने लगा। बाराबंकी सहित सीतापुर, लखीमपुर, गोंडा और फैजाबाद से आए हजारों भक्त भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने पहुंचे।

श्रद्धालु कतारबद्ध होकर जलकलश के साथ मंदिर पहुंचे, जहां मंदिर प्रशासन द्वारा उनकी सुविधा के लिए सुदृढ़ व्यवस्था की गई थी। बैरिकेडिंग, पेयजल, प्रकाश, शौचालय व स्वास्थ्य सेवाओं की समुचित व्यवस्था देखी गई, जिससे भक्तों को कोई असुविधा न हो।

मंदिर के पुजारी अजय शर्मा ने बताया कि यह मंदिर सतयुगकालीन है और यहां स्वयंभू शिवलिंग की स्थापना है। मान्यता है कि लव-कुश और श्रीकृष्ण ने भी यहां पूजा-अर्चना की थी, जिससे इसकी पौराणिक महत्ता और बढ़ जाती है।स्थानीय समाजसेवी राजेश मिश्रा ने बताया कि वे वर्षों से यहां जलाभिषेक कर रहे हैं और उनकी हर सच्ची प्रार्थना भोलेनाथ ने पूरी की है।

सीतापुर के महमूदाबाद से आए श्रद्धालुओं ने सुख-समृद्धि व शांति की कामना के साथ पूजा अर्चना की।

सुरक्षा के मद्देनज़र बड़डूपुर थाना प्रभारी मनोज कुमार की देखरेख में चौकी प्रभारी विनय कुमार की टीम तैनात रही।

प्रवीण निषाद, अरविंद चौहान, नीरज कुमार, संदीप सिंह, हरिचंद पटेल और दीवान इरशाद अहमद श्रद्धालुओं की भीड़ पर नजर बनाए हुए थे।प्रसन्ननाथ मंदिर में श्रावण के पहले सोमवार को श्रद्धा, सुरक्षा और सेवा का संगम देखने को मिला, जिससे श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर रहा।

मुजफ्फरनगर एनकाउंटर: कुख्यात शार्प शूटर शाहरुख पठान हुआ ढेर

शाहरुख के खिलाफ हत्या, रंगदारी और हत्या के प्रयास समेत आधा दर्जन से अधिक गंभीर मामले दर्ज थे

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मुजफ्फरनगर। यूपी एसटीएफ को बड़ी सफलता मिली है। सोमवार सुबह मुजफ्फरनगर में हुई मुठभेड़ में कुख्यात बदमाश और संजीव जीवा गैंग का शार्प शूटर शाहरुख पठान मारा गया। शाहरुख के खिलाफ हत्या, रंगदारी और हत्या के प्रयास समेत आधा दर्जन से अधिक गंभीर मामले दर्ज थे। शाहरुख पठान मूल रूप से मुजफ्फरनगर का निवासी था। वर्ष 2015 में उसने पुलिस कस्टडी में ही मुजफ्फरनगर रेलवे स्टेशन पर आसिफ जायदा नामक व्यक्ति की हत्या कर सनसनी फैला दी थी। बाद में वह जेल गया और वहीं से संजीव जीवा और मुख्तार अंसारी जैसे गैंगस्टरों के संपर्क में आया।

2016 में शाहरुख जेल से फरार हो गया। अगले ही वर्ष 2017 में उसने हरिद्वार में दो बड़ी हत्याएं कीं—कंबल व्यापारी गोल्डी और आसिफ जायदा मर्डर केस के गवाह के पिता की। इन वारदातों के बाद उसके सिर पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।गिरफ्तारी के बाद शाहरुख को गोल्डी मर्डर केस में उम्रक़ैद की सजा हुई। करीब छह महीने पहले वह जमानत पर बाहर आया और एक बार फिर गवाहों को धमकाने व जान से मारने की कोशिश करने लगा। इसी मामले में संभल जिले में उसके खिलाफ हत्या के प्रयास और धमकी देने का मुकदमा दर्ज हुआ और वह वांछित चल रहा था।

सोमवार को एसटीएफ फील्ड यूनिट मेरठ ने मुजफ्फरनगर में शाहरुख की घेराबंदी की। मुठभेड़ के दौरान उसने गोली चलाई, जवाबी कार्रवाई में वह ढेर कर दिया गया। मौके से बरेटा पिस्टल, ऑर्डिनेंस फैक्ट्री का रिवॉल्वर और एक देशी तमंचा बरामद किया गया है।एसटीएफ के अनुसार, शाहरुख पठान लंबे समय से पुलिस के लिए सिरदर्द बना हुआ था। उसकी मौत से पश्चिमी यूपी में जीवा गैंग की गतिविधियों को करारा झटका लगा है।

कांवड़ यात्रा को लेकर सीएम योगी ने की उच्चस्तरीय बैठक

» यात्रा को पूरी तरह शांतिपूर्ण, सुरक्षित और श्रद्धामय वातावरण में सम्पन्न कराने के निर्देश दिए

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रावण मास में संचालित हो रही कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने यात्रा को पूरी तरह शांतिपूर्ण, सुरक्षित और श्रद्धामय वातावरण में सम्पन्न कराने के निर्देश दिए।

सीएम योगी ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। यात्रा मार्गों पर साफ-सफाई, पेयजल, चिकित्सा, विश्रामालय, शौचालय और भोजनालय की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। महिला कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए महिला पुलिस की प्रभावी तैनाती हो।

मुख्यमंत्री ने संवेदनशील क्षेत्रों की 24×7 निगरानी के लिए ड्रोन व सीसीटीवी कैमरे लगाने, पब्लिक एड्रेस सिस्टम से सूचना प्रसारण व शिव भजनों के प्रसारण के निर्देश दिए। प्रमुख अवसरों पर हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा की व्यवस्था करने को भी कहा।

खाद्य सामग्री की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश एफएसडीए को दिए गए। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं से अनुशासन और मर्यादा बनाए रखने की अपील की और प्रशासन से सहयोग करने का आग्रह किया।

सनसनी

अयोध्या के होमस्टे में दो मौतों का गहराया रहस्य

प्रेमिका को गोली मारी, फिर खुद का उड़ाया भेजा

देवकाली के गौरी शंकर पैलेस में दो लाशों के साथ पहुंची पुलिस की तहकीकात

» बाराबंकी के बसपा जिला अध्यक्ष की बेटी के रूप में हुई मृतका की पहचान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। देवकाली बाईपास स्थित गौरी शंकर पैलेस के कमरे नंबर 103 में रविवार शाम एक मूक रहस्य सुलग रहा था। बेड पर पड़ी दो लाशें, माथे पर सटी गन शॉट इंजरी, खून से सना बिस्तर और युवक के पास पड़ी पिस्तौल सब कुछ एक फिल्मी सीन जैसा था, लेकिन यह कहानी रील नहीं, हकीकत की थी।

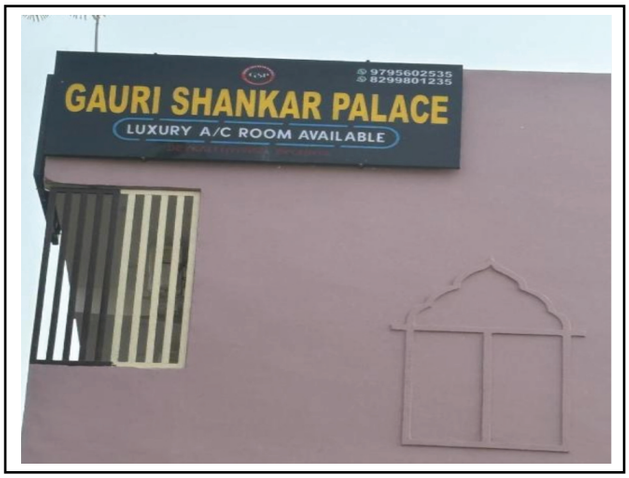

सवाल जो अब भी जिन्दा हैं

युवती की पहचान बिना आईडी के कैसे छिपी रही?
मुरारी यादव नामक शख्स को युवती की जानकारी कैसे थी?
दो अलग जिलों व बिरादरी से आए ये युवक-युवती किस कड़ी से जुड़े थे?
क्या ये प्यार का अंत था या किसी बड़े सामाजिक दबाव की प्रतिक्रिया?

बता दें कि देवरिया का 22 वर्षीय आयुष गुप्ता और बाराबंकी के बसपा जिलाध्यक्ष की बेटी अरोमा रावत रविवार सुबह यहां पहुंचे थे। युवक ने आईडी दी, युवती के दस्तावेज नहीं थे फिर भी कमरा मिल गया। लगभग दोपहर तक उन्हें देखा गया, फिर कमरे का दरवाजा बंद और शाम तक सन्नाटा।

जब वेटर ने चाय पहुंचानी चाही, तो दरवाजा नहीं खुला। पुलिस आई, सीओ आशुतोष तिवारी के नेतृत्व में दरवाजा तोड़ा गया और जो सामने था, वो रोंगटे खड़े कर देने वाला दृश्य था। कमरे में युवक और युवती की लाशें थीं। पिस्टल युवक के घुटनों के नीचे दबी थी।

युवती के माथे पर नजदीक से गोली मारने के स्पष्ट निशान। पुलिस को अंदेशा है कि युवक ने पहले प्रेमिका को मारा, फिर खुद को।

पुलिस को सोशल मीडिया कनेक्शन की आशंका है

लड़की गाजीपुर (बाराबंकी) की रहने वाली थी, नर्सिंग की छात्रा थी, जबकि लड़का देवरिया से था। दोनों की जातीय पृष्ठभूमि अलग-अलग थी।

शुरुआती जांच में साफ है कि सामाजिक बंधनों की दीवार उनके प्रेम के रास्ते में आ गई थी। गौरी शंकर पैलेस में बिना महिला की आईडी के कमरा देना सीधे तौर पर गाइडलाइन की अनदेखी है। यह लापरवाही न केवल एक अपराध को अंजाम तक पहुंचाने में भूमिका निभाती है,

बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल उठाती है।

फॉरेंसिक टीम के साथ एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने घटना स्थल की सूक्ष्म जांच कर साक्ष्य जुटाए। दोनों शवों का पोस्टमार्टम चिकित्सकों के पैनल से कराया जाएगा। परिवारों से भी पूछताछ जारी है।

बिना आईडी के कमरा, फिर लाशें...

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में श्रद्धा और शांति की छांव में पनप रही एक खतरनाक लापरवाही लगातार शहर की छवि को धूमिल कर रही है। देवकाली बाईपास स्थित गौरी शंकर पैलेस में हाल ही में घटित प्रेमिका की हत्या और फिर आत्महत्या की दिल दहला देने वाली वारदात ने एक बार फिर होम स्टे में बिना पहचान पत्र के रूम अलॉटमेंट जैसे गैरकानूनी चलन को उजागर कर दिया है।

» अयोध्या के होम स्टे बनते जा रहे हैं अपराध का अड्डा!

» पुलिस और एडीए की लापरवाही से शहर में पनप रही मौतों की कहानियां

यह पहला मामला नहीं है, जहां बिना आईडी के किसी महिला को कमरे में ठहराया गया हो और बाद में वहां से लाशें बरामद हुई हों। सवाल ये है कि जब पर्यटन नगरी होने के चलते अयोध्या में पुलिस और एडीए (अयोध्या विकास प्राधिकरण) की जिम्मेदारी और भी ज्यादा बढ़ जाती है, तो फिर यह लापरवाही क्यों?

आईडी के बिना एंट्री होम स्टे बना क्राइम स्पॉट!

गौरी शंकर पैलेस में सिर्फ युवक की मोबाइल में मौजूद आधार की कॉपी पर कमरा दे दिया गया। युवती की कोई आईडी नहीं ली गई। न ही पुलिस वेरिफिकेशन कराया गया। ये सीधे तौर पर गृह मंत्रालय की गाइडलाइनों और पर्यटन विभाग के दिशा-निर्देशों की अवहेलना है। पुलिस खुद मानती है कि बगैर आईडी ठहराए गए लोगों की ट्रैकिंग बेहद मुश्किल हो जाती है, जिससे आपराधिक घटनाओं की तह तक पहुंचना समय और संसाधन दोनों की बर्बादी बन जाता है।

गौरतलब हो कि एडीए द्वारा होम स्टे पंजीकरण प्रक्रिया, उनके संचालन की निगरानी, निर्माण मानकों की जांच और सुरक्षा संबंधी दिशानिर्देशों का पालन कराना अनिवार्य है। लेकिन ज़मीनी हकीकत ये है कि शहर में अधिकांश होम स्टे बिना निरीक्षण, बिना लाइसेंस और बिना सुरक्षा मानकों के संचालित हो रहे हैं।

पुलिस विभाग की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। लोकल बीट कांस्टेबल की नियमित चेकिंग, होम स्टे का रिकॉर्ड सत्यापन और संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी जैसे कार्य सिर्फ फाइलों तक सिमटकर रह गए हैं।

अयोध्या जैसे धार्मिक और संवेदनशील शहर में यदि कोई भी बिना पहचान के कहीं भी रुक सकता है, तो ये सीधे तौर पर आतंरिक सुरक्षा, सांप्रदायिक सौहार्द और पर्यटन की गरिमा पर प्रश्नचिन्ह है।

इस लापरवाही का फायदा उठाकर न केवल प्रेम प्रसंगों के विवादास्पद अंत सामने आ रहे हैं, बल्कि ह्यूमन ट्रैफिकिंग, सेक्स रैकेट, अवैध हथियारों का ट्रांजिट और साइबर अपराध जैसी गंभीर आशंकाएं भी उत्पन्न हो रही हैं।

अधिकारियों की चुप्पी अपराधियों की छूट?

गौर करने वाली बात यह है कि घटना के बाद न तो एडीए की कोई टीम घटनास्थल पर जांच के लिए पहुंची, न ही अब तक होम स्टे संचालक पर कड़ी कार्यवाही की गई है। क्या इस चुप्पी के पीछे राजनीतिक संरक्षण है? या फिर प्रशासनिक मिलीभगत? ये सवाल अब जनता पूछ रही है।

अब जरूरी है नो आईडी, नो एंट्री को सख्ती से लागू करना

पुलिस को चाहिए कि हर होम स्टे का वेरिफिकेशन दोबारा करे।

एडीए को बिना रजिस्ट्रेशन चल रहे होम स्टे को तत्काल सील करना चाहिए।

आईडी के बिना रुकने वालों पर होम स्टे संचालकों को जिम्मेदार बनाकर एफआईआर दर्ज हो।

साप्ताहिक निगरानी और डिजिटल एंट्री रजिस्टर अनिवार्य किया जाए।

जब तक अयोध्या में पर्यटन और श्रद्धा की आड़ में होम स्टे को बिना नियमों के चलने दिया जाएगा, तब तक ऐसी घटनाएं दोहराई जाएंगी। यह सिर्फ दो युवाओं की मौत नहीं थी, यह प्रशासनिक सुस्ती की कीमत थी। बिना पहचान की एंट्री, कभी प्यार की मौत बनती है तो कभी कानून की लज्जा। वक्त है कि हम पहचान मांगें, नहीं तो पहचान खो देंगे एक शहर की, एक व्यवस्था की।

गलवान झड़प के बाद पहली बार विदेशमंत्री का चीन दौरा

5 साल बाद चीन पहुंचे विदेशमंत्री जयशंकर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर इस समय चीन के दौरे पर हैं। वह सिंगापुर से सीधे चीन पहुंचे। यहां उन्होंने चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग से बीजिंग में मुलाकात की।

गलवान झड़प के 5 साल बाद भारतीय विदेशमंत्री जयशंकर चीन की यात्रा पर हैं। दौरे की शुरुआत चीनी उपराष्ट्रपति से मुलाकात से हुई। विदेश मंत्री कल एससीओ समिट में शिरकत करेंगे। 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प के पांच साल बाद जयशंकर चीन पहुंचे हैं। वह मंगलवार को तियानजिन में एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होंगे। साथ ही चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग से मुलाकात की तस्वीर शेयर करते हुए जयशंकर ने कहा कि आज बीजिंग पहुंचने के बाद उपराष्ट्रपति हान झेंग से मिलकर खुशी हुई। शंघाई सहयोग संगठन में चीन की

» चीनी विदेश मंत्री के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी शेड्यूल में
» कल एससीओ विदेशमंत्रियों के समिट में करेंगे शिरकत

अध्यक्षता को लेकर भारत का समर्थन जताया। दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में सुधार हुआ है।उम्मीद है कि मेरी इस यात्रा के दौरान बातचीत सकारात्मक बनी रहेगी।

इस मीटिंग के दौरान जयशंकर ने कहा कि पिछले अक्तूबर में कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के मध्य मुलाकात के बाद से दोनों देशों के संबंधों में सुधार हुआ है। मुझे यकीन है कि इस दौरे के दौरान हमारी चर्चा से यह सकारात्मकता बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि भारत और चीन के राजनयिकों संबंधों की स्थापना के 75 वर्ष पूरे हो गए हैं। कैलाश मानसरोवर यात्रा बहाल करने को भारत में खूब सराहा गया है। दोनों देशों के संबंध सामान्य होने से लाभ होगा

रक्षा बंधन पर हर बहना को 250 रुपए का उपहार

» राज्य में इस योजना के लगभग 1 करोड़ 27 लाख महिलाएं लाभार्थी होंगी

» राज्य में इस योजना के लगभग 1 करोड़ 27 लाख महिलाएं लाभार्थी होंगी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के नक्शेकदम पर चलते हुए स्वयं को राज्य की बहनों का लाडला भाई बनाने की कवायद शुरू कर दी है। गत शनिवार को एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि राज्य में लाडली बहना योजना की लाभार्थी करीब 1 करोड़ 27 लाख महिलाओं को राखी उपहार के रूप में 250 रुपए मिलेंगे और अक्टूबर से उनकी मासिक सहायता राशि बढ़ाकर 1,500 रुपए कर दी जाएगी।

फिलहाल इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को 1250 रुपए प्रतिमाह मिलते हैं। मध्य प्रदेश के सी एम मोहन यादव ने घोषणा की, ''रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहन के बीच अटूट प्रेम का प्रतीक है, नौ अगस्त को राखी है और भाइयों के लिए अपनी बहनों को उपहार देना उचित ही है। हमारी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि स्नेह के प्रतीक के रूप में हर लाडली बहना तक नौ अगस्त से पहले 250 रुपए पहुंच जाएं।''

सी एम शनिवार को उज्जैन जिले के नलवा गांव में आयोजित एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम में बोल रहे थे, जहां विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को वित्तीय सहायता वितरित की गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार लाडली बहना योजना के तहत मासिक सहायता को धीरे-धीरे बढ़ाकर 3,000 रुपए करने के लिए प्रतिबद्ध है। एक सरकारी बयान के मुताबिक यादव ने कहा , ''दिवाली के बाद भाई दूज (अक्टूबर) तक मासिक सहायता 1,250 से बढ़ाकर 1,500 रुपए कर दी जाएगी।

आशिम घोष हरियाणा तो अशोक गजपति गोवा के राज्यपाल बने, कविंदर गुप्ता लद्दाख के एलजी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। पूर्व नागरिक उड्डयन मंत्री पुसापति अशोक गजपति राजू को सोमवार को गोवा का राज्यपाल और जम्मू-कश्मीर के पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंदर गुप्ता को लद्दाख का नया उपराज्यपाल नियुक्त किया गया। इसके अलावा प्रोफेसर अशीम कुमार घोष हरियाणा के नए राज्यपाल होंगे। नियुक्तियां उनके संबंधित पदों का कार्यभार संभालने की तिथि से प्रभावी होंगी। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के उपराज्यपाल पद से ब्रिगेडियर बीडी मिश्रा (सेवानिवृत्त) का इस्तीफ स्वीकार कर लिया है।

मानसून सत्र

सोनिया गांधी ने मंगलवार को दस जनपथ पर बुलाई अहम बैठक

सरकार को घेरने की रणनीति को देंगी अंतिम रूप

» निर्मल तिवारी, स्वराज इंडिया

संसद के मानसून सत्र के लिए पार्टी की रणनीति को अंतिम रूप देने, एजेंडा सेट करने के उद्देश्य से कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी ने मंगलवार को दस जनपथ पर एक अहम बैठक बुलाई है।

राजनीतिक पंडितों को संसद का मॉनसून सत्र हंगामेदार रहने की उम्मीद है। कांग्रेस सहित विपक्ष के पास सरकार को घेरने के कई मुद्दे हैं। यही कारण है कि सत्र प्रारंभ होने से पूर्व ही कांग्रेस पार्टी सरकार को कई मुद्दों पर घेरने की कारगर योजना और रणनीति बनाने का प्रयास कर रही है।

अनुमान है कि सत्र की शुरुआत में

ही विपक्षी दल बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण संबंधी निर्वाचन आयोग के कदम पर कड़ी आपत्ति जता सकते हैं। इसके अलावा कांग्रेस पहलगाम हमले, ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद की कूटनीतिक गतिविधियों पर चर्चा की मांग भी करती रही है, सत्र के दौरान कांग्रेस इन मुद्दों पर सरकार को घेरने का पुरजोर प्रयास करेगी । पार्टी सूत्रों ने बताया कि बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत अन्य नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। 10 जनपथ स्थित आवास पर होने वाली इस बैठक की अध्यक्षता सोनिया गांधी करेंगी।

बताते चलें कि सरकार ने घोषणा की है कि संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक जारी रहेगा, जो पहले तय समय से एक सप्ताह ज्यादा है। इससे बड़ी विधाई कार्यसूची का संकेत मिलता है। पहले यह सत्र 12 अगस्त को समाप्त होना था। लेकिन अब इसे एक सप्ताह के लिए बढ़ा दिया गया है।

लंबी अवधि वाला यह सत्र ऐसे समय में हो रहा है जब सरकार परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी क्षेत्र के प्रवेश को सुगम बनाने सहित कई प्रमुख विधेयक लाने की योजना बना रही है। सरकार, 'परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम' और 'परमाणु ऊर्जा अधिनियम' में संशोधन करने की भी योजना बना रही है, ताकि परमाणु क्षेत्र को निजी क्षेत्र के लिए खोलने संबंधी केंद्रीय बजट की घोषणा पर अमल किया जा सके। वहीं, विपक्षी दल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे पर भी सरकार से जवाब मांग रहे हैं, जिसमें उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष को समाप्त कराने में मध्यस्थता का दावा किया है। हालांकि सरकार ने ट्रंप के दावों को खारिज किया है फिर भी विपक्ष इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री से स्पष्टीकरण या वक्तव्य की मांग पर अड़ सकता है।